सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–754
02/10/2018

मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

पटना, 02 अक्टूबर 2018 :– गॉधी जयंती के अवसर पर राज्यपाल श्री लालजी टंडन, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना के गॉधी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विशाल आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, विधानसभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, विधायक श्री अरूण कुमार सिन्हा, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गॉधी जी, राज्य खाद्य आयोग के सदस्य श्री नन्द किशोर कुशवाहा, राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव श्री अरविंद कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत्–शत् नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सूचना जन–सम्पर्क विभाग द्वारा आरती पूजन, भजन, कीर्तन एवं देशभक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गांधी मैदान की परिमिति पद यात्रा की। मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। परिमिति पदयात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दो वर्षों तक 2 अक्टूबर 2020 तक ये कार्यक्रम चलेगा। 150वां वर्ष पूरा होने पर पूरे दो वर्ष तक यह कार्यक्रम देश में चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के विचारों पर अमल करने के लिए हमलोग प्रतिबद्ध है। हम विकेंद्रीत तरीके से काम करने की कोशिश करते हैं और विकास का काम कर रहे हैं। स्वच्छता के प्रति हमलोगों की प्रतिबद्धता है। समाज सुधार के लिए सबलोगों के बीच अभियान चलाकर उन्हें प्रेरित कर रहे हैं। सामाजिक अभियान के तहत बाल विवाह, दहेजप्रथा के विरूद्ध तथा शराबबंदी के लिए निरंतर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। चंपारण सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर हमलोगों ने शताब्दी वर्ष मनाया और उसमें काम के लिए जो संकल्प लिया गया उसे मूर्तरुप दिया जा रहा है। जिस प्रकार चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में हमलोगों को भीतर से बहुत ही प्रसन्नता थी और अंदर से प्रेरणा मिल रही थी, उसी प्रकार अब अगले दो वर्षों तक गांधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का हमलोग काम करेंगे।

******